

षट्प्रयोग पुं. (तत्.) प्रयोग किये जाने वाले छह प्रकार के अभिचार जैसे- मारण, विद्वेषण, वशीकरण, स्तम्भन, उच्चाटन, शांति।

षट्बदन पुं. (तत्.) दे. षट्बदन।

षट्भुज वि. (तत्.) छह भुजाओं वाला पुं. ज्या. वह क्षेत्र या स्थान जो छह भुजाओं से घिरा हुआ हो।

षट्मुख पुं. (तत्.) छह मुख वाले कार्तिकेय।

षट्मासिक वि. (तत्.) जो छह माह में एक बार होता है, छमाही, अर्धवार्षिक जैसे- षट्मासिक परीक्षा।

षट्स पुं. (तत्.) छह प्रकार के रस या स्वाद जो भोजन या पेय पदार्थों में होते हैं जैसे- मधुर, लवण, अम्ल, कषाय, कटु और तिक्त।

षट्स व्यंजन पुं. (तत्.) छह प्रकार के रसों अर्थात् मधुर, लवण, अम्ल, तिक्त (तीखा) कषाय और कटु स्वादों से युक्त बने भोज्य पदार्थ।

षट्राग पुं. (तत्.) 1. संगीत के प्रमुख छह राग भैरव, मल्हार, श्रीराग, हिंडोल, मालकौंस और दीपक 2. खट्वांग, व्यर्थ का झंझट या बखेड़ा।

षट्रिपु पुं. (तत्.) (मनो.) छह प्रकार के वे मनोविकार जो मनुष्य के लिए शत्रु के समान हानिकारक होते हैं जैसे- काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर।

षट्बदन वि. (तत्.) छह मुखों वाला पुं. कार्तिकेय पर्या. षट्बक्त्र, षडानन।

षट्वर्ग पुं. (तत्.) एक ही समान छह वस्तुओं का समूह।

षट्वांग पुं. (तत्.) खट्वांग नामक वह राजर्षि जिन्हें मात्र दो घड़ी की साधना से मुक्ति प्राप्त हुई थी।

षट्विकार पुं. (तत्.) छह प्रकार के दोष, काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर नामक छह दोष जो मानव के लिए अशांतिप्रद बताये गये हैं।

षट्शास्त्र पुं. (तत्.) 1. भारतीय दर्शन के अनुसार छह आस्तिक दर्शन 2. सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदांतदर्शन इन छह दर्शनों का समूह, षड्दर्शन।

षट्शास्त्री पुं. (तत्.) सांख्य योग, न्याय-वैशेषिक आदि छह शास्त्रों का ज्ञाता, विद्वान।

षट्संपत्ति स्त्री. (तत्.) छह प्रकार की साधन संपत्तियाँ या वृत्तियाँ जो मोक्ष साधक के लिए आवश्यक होती हैं जैसे- शम, दम, उपरति, तितिक्षा, श्रद्धा, समाधान।

षडंकुश पुं. (तत्.) छह अंकुश वाला, एक परजीवी फीताकृमि जो पेट में रोगों को उत्पन्न करता है।

षडंग वि. (तत्.) 1. छह अंगों वाला पुं. 1. वेद के छह अंगों शिक्षा, कल्प, निरुक्त, व्याकरण, छंद, ज्योतिष का समूह 2. गाय के दूध, दही, घी, गोमूत्र, गोबर और गोरोचन 3. शरीर के छह अंग-दो हाथ, दो पैर-सिर और धड़।

षडंगधूप पुं. (तत्.) छः प्रकार की चीजों से बना धूप जो देवार्चना या शुभ अवसर पर सुवासित करने के लिए जलाया जाता है जैसे- चीनी, गाय का घी, मधु, गुग्गुलु, अगरु, काष्ठ और सफेद चन्दन के मिश्रण से बत्ती की तरह बनाया गया धूप।

षडरिक पुं. (तत्.) छह रश्मियों वाला कोई रत्न, नग आदि।

षडष्टक पुं. (तत्.) ज्यो. एक योग जिसमें परस्पर एक दूसरी राशि पर ग्रह हों कि दृष्टि छठे व आठवे भाव पर पड़ती है।

षडानन वि. (तत्.) छह आननों (मुखों) वाला पुं. कार्तिकेय (शंकर-पार्वती के पुत्र) पर्या. स्कंद

षडाम्नाय पुं. (तत्.) छह प्रकार के आम्नायों का समूह, छह तंत्र जैसे- पूर्वाम्नाय, दक्षिणाम्नाय, पश्चिमाम्नाय, उत्तराम्नाय, ऊर्ध्वाम्नाय, अधः आम्नाय।

षडायतन वि. (तत्.) 1. जो छह आयतनों वाला हो, छह इंद्रियों के छह स्थान 2. जो आकाश, जल, वायु, अग्नि, पृथ्वी इन पाँच तत्वों व विज्ञान से युक्त हो।

षडूर्मि स्त्री. (तत्.) छह प्रकार के उद्वेग जैसे- क्षुधा, पिपासा, शोक, मोह, जरा और मृत्यु।